भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड

पंचकर्म सहायक

परीक्षा का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड

पाठ्यक्रम – पंचकर्म सहायक (पंचकर्म टैक्नीशियन)

प्रथम प्रश्न पत्र – आयुर्वेद अधिष्ठान सिद्धान्त

कुल अंक– 100

1. दोष, धातु, उपधातु, स्रोतस, अग्नि का संक्षिप्त परिचय।
2. पदार्थ विज्ञान का सिद्धान्त।
3. आयुर्वेद चिकित्सा के सिद्धान्त– दोष–दूष्य–अग्नि स्रोतस।
4. स्वस्थ की परिभाषा।
5. पंचकर्म टैक्नीशियन के सिद्धान्त एवं कर्तव्य (उपस्थाता के गुण)।
6. मन की परिभाषा एवं परिचय।
7. आयुर्वेद में अष्ट आहार विधि विशेषायतन, स्वस्थ के स्वास्थ्य का संरक्षण एवं आतुर के विकार की चिकित्सा।
8. दोष परिचय एवं दोष क्षय–वृद्धि के लक्षण।
9. दीपन, पाचन, वमन, विरेचक एवं ग्राही की परिभाषा एवं द्रव्य परिचय।
10. औषधि कल्पना परिचय, पंचविध कषाय कल्पना, क्षीरपाक–यूषपाक–यवागू पाक–स्नेह पाक एवं पुटपाक विधियां, सन्धान कल्पना सिद्धान्त।
11. रक्तमोक्षण के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी।
12. संसर्जन कर्म (संशोधन कर्म के उपरान्त प्रबन्धन)।

––0––

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड

पाठ्यक्रम – पंचकर्म सहायक (पंचकर्म टैक्नीशियन)

द्वितीय प्रश्न पत्र – शरीर विज्ञान

कुल अंक– 100

1. रचना व क्रिया शारीर परिचय।
2. शरीरावयवों का संक्षिप्त संरचनात्मक एवं क्रियात्मक परिचय– गर्भ शारीर, अस्थि शारीर, संधियां, सिरा, धमनी, स्रोतस, लसिका ग्रन्थियां, पेशी, कोष्ठांग, कला, त्वचा, मस्तिष्क, मर्म।
3. पंच ज्ञानेन्द्रियां एवं पंच कर्मेन्द्रियां।
4. वक्ष, फुफ्फुस, हृदय।
5. उदर– आहारनाल, यकृत, प्लीहा, अग्न्याशय, पित्ताशय, मूत्राशय, गर्भाशय, डिम्बग्रन्थियां, वृक्क एवं अधिवृक्क ग्रन्थिया, बाह्य जननांग, उर्ध्वशाखा, अधःशाखा।
6. आहार– आहार पाचन क्रिया, अग्नि, धातु, उपधातु, ओजस, अन्तस्रावी ग्रन्थियां, रक्त संचरण, मल (पुरीष, मूत्र, स्वेद)।
7. आमपरिभाषा एवं सामदोष लक्षण, त्रिविध रोग मार्ग।
8. रोगी–रोग परीक्षा परिचय एवं अष्टविध परीक्षा।

––0––

भारतीय चिकित्सा परिषद, उत्तराखण्ड

पाठ्यक्रम – पंचकर्म सहायक (पंचकर्म टैक्नीशियन)

तृतीय प्रश्न पत्र – पंचकर्म परिचय

कुल अंक– 100

1. पंचकर्म की परिभाषा एवं परिचय।
2. पंचकर्म की मूल अवधारणा, सिद्धान्त एवं उद्देश्य।
3. पंचकर्म चिकित्सा का महत्व एवं पंचकर्म में प्रयुक्त होने वाली औषधियां।
4. पंचकर्म चिकित्सा कक्ष का विवरण।
5. पंचकर्म चिकित्सा में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों का परिचय एवं संरक्षण विधियां।
6. स्नेहन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, स्नेहन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी, अतिस्नेहित के लक्षण, उपद्रव एवं तात्कालिक व्यवस्था।
7. स्वेदन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, स्वेदन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी, अतिस्वेदित के लक्षण, उपद्रव एवं तात्कालिक व्यवस्था।
8. वमन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, वमन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी।
9. विरेचन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, विरेचन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी।
10. अनुवासन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, अनुवासन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी।
11. शिरोविरेचन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, शिरोविरेचन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी।
12. आस्थापन कर्म परिभाषा व प्रकार, विधि, औषधि विधि एवं प्रबन्धन, आस्थापन कर्म के योग्य रोगी एवं अयोग्य रोगी।
13. पंचकर्म में मात्रावस्ति, अनुवासन वस्ति, निरूह वस्ति, उत्तर वस्ति, अन्य प्रकार एवं नस्य।
14. शिरोधारा, शिरोवस्ति, पिण्डस्वेदन, अन्नलेप, कायसेक, शिरोलेप।

––0––